



दैनिक जागरण

The Indian EXPRESS  
JOURNALISM OF COURAGE



दैनिक भास्कर



THE HINDU

जनसत्ता

Party

CURRENT

AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

BY- ABHAY SIR

**टॉपिक 1:-** भारत की परमाणु नीति तथा परमाणु कार्यक्रम

**टॉपिक 2 :-** मकड़ियों की नई प्रजाति टारेंट्युला

**टॉपिक 3 :-** श्री नारायण गुरु

# भारत की परमाणु नीति तथा परमाणु कार्यक्रम



- ❑ हाल ही में अमेरिका ने अपनी परमाणु नीति में परिवर्तन किया है
- ❑ भारत का परमाणु परीक्षण और परमाणु नीति

### भारत का परमाणु कार्यक्रम

- ❑ स्वतंत्रता की पूर्व संध्या :- भारत के सामने गंभीर चुनौती थी कि वह आने वाले समय में किस प्रकार से अपने देश में बिजली उत्पादन में वृद्धि करे।
- ❑ इसी चीज का जवाब तलाशने के लिए परमाणु कार्यक्रम की शुरुआत की गई



- ❑ इस कार्यक्रम का नेतृत्व होमी जहाँगीर भाभा के द्वारा किया गया ।
- ❑ इस समय तक अमेरिका, ब्रिटेन, रूस तथा फ्रांस परमाणु शक्ति से संपन्न हो चुके थे जिसमें परमाणु हथियार भी शामिल थे।
- ❑ चीन भी वर्ष 1964 में परमाणु परीक्षण कर चुका था और इससे पहले 1962 में भारत चीन युद्ध संपन्न हो चुका था।
- ❑ इन सभी महत्वपूर्ण घटनाक्रम के बावजूद भी जवाहरलाल परमाणु के सैन्य उपयोग के पक्षधर नहीं थे। जिस कारण भारत ने अपने परमाणु कार्यक्रम को असैन्य उपयोग तथा जन कल्याण तक सीमित रखा ।



## भारत की परमाणु नीति में बदलाव :-

- ❑ भारत को अपनी परमाणु नीति में निम्नलिखित घटनाक्रम के बाद परिवर्तन करना पड़ा :-
- ❑ 1. 1962 में चीन के साथ युद्ध।
- ❑ 2. वर्ष 1964 में चीन द्वारा परमाणु परीक्षण ।
- ❑ 3. वर्ष 1965 में पाकिस्तान से युद्ध ।



- ❑ इन सभी घटनाओं के बाद भारत ने अपनी परमाणु नीति में परिवर्तन किया।
- ❑ 1974 में भारत ने पोखरण में प्रथम परमाणु परीक्षण किया।

### परमाणु परीक्षण :-

- ❑ वर्ष 18 मई 1974 :- राजस्थान के पोखरण के रेगिस्तान में पहला परमाणु परीक्षण
- ❑ जबकि दूसरा परमाणु परीक्षण वर्ष 1998 में पोखरण में ही किया।
- ❑ भारत ने स्वयं को परमाणु संपन्न देश घोषित कर दिया।



- ❑ परमाणु क्षमता हासिल होने के साथ ही भारत ने एक परमाणु नीति की आवश्यकता को महसूस किया।
- ❑ परमाणु नीति का ड्राफ्ट वर्ष 1999 में तैयार किया गया ।
- ❑ कैबिनेट समिति (CCS) के द्वारा भारत की परमाणु नीति की घोषणा की गई ।

### भारत की परमाणु नीति :-

1. भारत अपनी सुरक्षा के लिए न्यूनतम परमाणु हथियार का विकास करेगा।
2. भारत ननो यूज़ और नो फर्स्ट यूज़' नीति का पालन करेगा





- ❑ 3. लेकिन अगर कोई परमाणु संपन्न देश भारत के ऊपर हमला करता है तो इसका जवाब भारत कठोरता से देगा।

### परमाणु अप्रसार संधि (Nuclear Non-Proliferation Treaty-NPT)

- ❑ संधि का उद्देश्य :- जिन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं हैं वह न तो वर्तमान में न ही भविष्य में इन हथियारों का निर्माण करें।
- ❑ संधि पर हस्ताक्षर :- 1968 में



- ❑ संधि प्रभाव में आई :- 1970
- ❑ वर्तमान में इसके 190 हस्ताक्षरकर्ता सदस्य हैं।
- ❑ इस संधि में यह प्रावधान है कि कोई भी सदस्य देश हथियारों के लिए परमाणु ऊर्जा का प्रयोग नहीं करेगा जबकि शांतिपूर्ण उपयोग की अनुमति होगी।

### संधि के प्रमुख लक्ष्य :-

- ❑ 1. परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना
- ❑ 2. निरस्त्रीकरण को प्रोत्साहित करना
- ❑ 3. परमाणु तकनीक के शांतिपूर्ण उपयोग के अधिकार को सुनिश्चित करना।



## व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (The Comprehensive Nuclear-Test-Ban Treaty- CTBT)

- ❑ CTBT संधि का उद्देश्य :- सभी प्रकार के परमाणु हथियारों के परीक्षण एवं उपयोग पर प्रतिबंध लगाना ।
- ❑ यह संधि जिनेवा के निरस्त्रीकरण सम्मेलन के पश्चात् प्रकाश में आई।
- ❑ संधि पर हस्ताक्षर :- वर्ष 1996 में ।
- ❑ संधि पर अब तक कुल 184 देश हस्ताक्षर कर चुके हैं।



## भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम :-

- ❑ विश्व परमाणु उद्योग स्थिति रिपोर्ट (World Nuclear Industry Status Report) 2017
- ❑ भारत परमाणु रिक्टरों को स्थापित करने की संख्या में विश्व में तीसरे स्थान पर है।

## भारत का परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम लक्ष्य :-

- ❑ वर्ष 2024 के अंत तक 14.6 गीगावाट बिजली का उत्पादन ।
- ❑ वर्ष 2032 तक बिजली उत्पादन की क्षमता 63 गीगावाट करना।



- नवंबर 2020 तक, भारत में 8 परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में 23 परमाणु रिएक्टर चालू हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 7,380 मेगावाट है।
- इनके अलावा 11 अन्य रिएक्टरों पर विभिन्न चरणों में काम चल रहा है और इनके सक्रिय होने के बाद 8 हजार मेगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने लगेगा।



## नो फ़र्स्ट यूज़ नीति (No First Use Doctrine) :-

- ❑ इस नीति को अपनाने वाले दुनिया में केवल दो देश हैं चीन और भारत।
- ❑ तथा चीन के द्वारा इस नीति को सबसे पहले अपनाया गया इसी का अनुसरण करते हुए भारत में 2003 में इस नीति की घोषणा की।
- ❑ भारत एवं चीन के अतिरिक्त किसी भी परमाणु संपन्न देश ने इस नीति को नहीं अपनाया।



प्रश्न: भारत में, कुछ परमाणु रिएक्टरों को “IAEA सुरक्षा उपायों” के तहत क्यों रखा जाता है जबकि अन्य को नहीं? (2020)

- A. कुछ यूरेनियम का उपयोग करते हैं और अन्य थोरियम का उपयोग करते हैं
- B. कुछ आयातित यूरेनियम का उपयोग करते हैं और अन्य घरेलू आपूर्ति का उपयोग करते हैं
- C. कुछ विदेशी उद्यमों द्वारा संचालित होते हैं और अन्य घरेलू उद्यमों द्वारा संचालित होते हैं
- D. कुछ राज्य के स्वामित्व वाले हैं और अन्य निजी स्वामित्व वाले हैं



प्रश्न: बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के साथ क्या भारत को अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का विस्तार जारी रखना चाहिए? परमाणु ऊर्जा से जुड़े तथ्यों और आशंकाओं पर चर्चा करें। (2018)





# मकड़ियों की नई प्रजाति टारेंट्युला

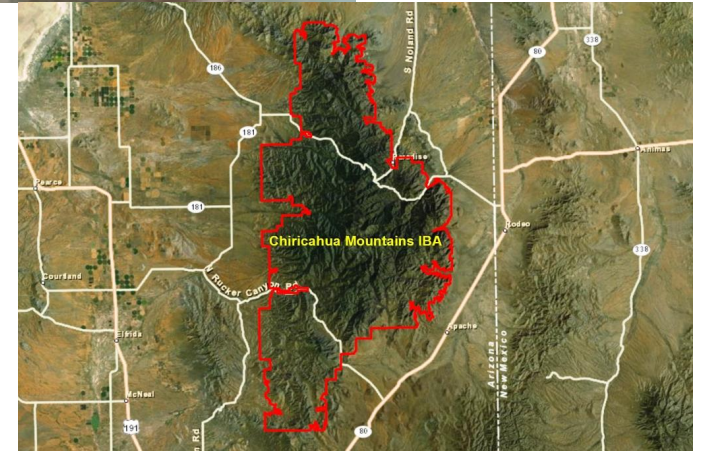


- ❑ चर्चा में क्यों :- हाल ही में नई मकड़ियों की नई प्रजाति टारेंट्युला को खोजा गया है
- ❑ यह नई मकड़ी की प्रजाति जलवायु परिवर्तन के कारण खतरे की कगार पर पहुंच गई है।
- ❑ ये मड़किया मुख्य रूप से ठंडे और अधिक नमी वाले पर्वत शिखरों में रहती है
- ❑ **किससे है खतरा :-** बढ़ते तापमान और बारिश की अनिश्चितता
- ❑ विपरीत जलवायु परिवर्तन के कारण इनके रहने के अनुकूल आवास गायब हो रहे हैं जिससे यह मकड़ियां विलुप्ति की कगार पर पहुंच गई हैं

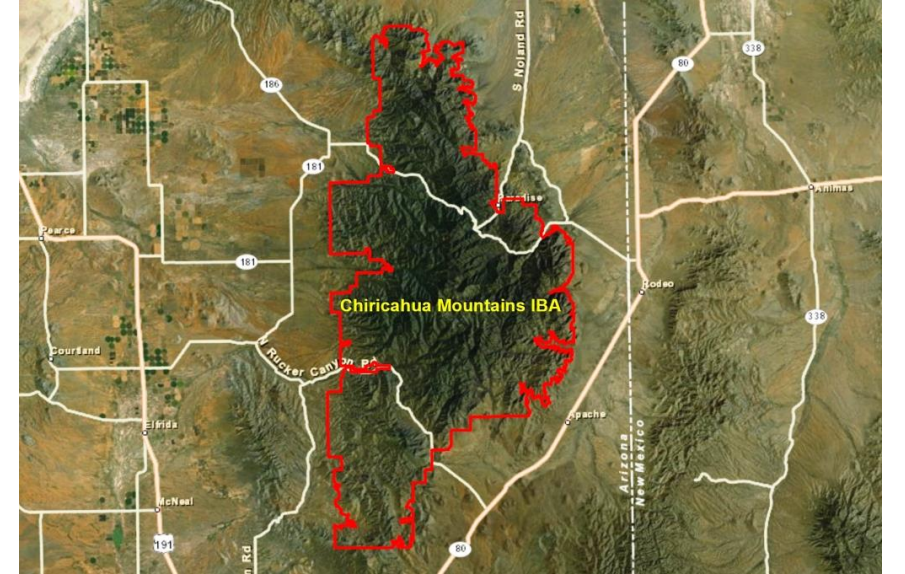


## कहां पाई गई यह नई मकड़ी की प्रजाति :-

- ❑ दक्षिण-पूर्वी एरिजोना के चिरिकाहुआ पर्वतों से
- ❑ प्रजाति का नाम टारेंटुला मकड़ी की एक नई प्रजाति, एफोनोपेटमा जैकोबी ।
- ❑ विशेषता:- 1. छोटी, काले और भूरे रंग की , पेट पर लाल बाल
- ❑ 2. यह मकड़ी मुख्यत चिरिकाहुआ पर्वतों के ऊंचे-ऊंचे इलाकों में देखी जाती है,
- ❑ यह मकड़ी न्यूनतम से भी न्यूनतम तापमान तथा कड़ाके की ठंड में भी जीवित रह सकती है।



- ❑ टारेंटुला की खोज अमेरिका से प्रमाणित टारेंटुला की 30वीं प्रजाति के रूप में पहचानी गई है।
- ❑ एफोनोपेलमा धरती पर सबसे अधिक विविधता वाला टारेंटुला वंश है।
- ❑ **चिरिकाहुआ** :- यह क्षेत्र असाधारण जैव विविधता के साथ ही ऊंचाई के लिए प्रसिद्ध।
- ❑ यह मैड्रियन द्वीपसमूह का हिस्सा है।
- ❑ जहां घने जंगलों वाले पर्वत श्रृंखलाएं हैं।



- ❑ यह श्रृंखलाएं दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका में कोलोराडो पठार और रॉकी पर्वत के साथ ही उत्तर-पश्चिमी मैक्सिको में सिएरा मैड्रे ऑक्सिडेंटल के बीच कॉर्डिलेरा तक फैला हुआ है।
- ❑ **ये पर्वतीय जंगल :-** कम ऊंचाई वाले रेगिस्तानों और शुष्क घास के मैदानों दोनों को एक दूसरे से अलग करते हैं,
- ❑ जिसके कारण यहां कई छोटी-सीमा वाली स्थानीय प्रजातियों की उत्पत्ति हुई है।
- ❑ यहां अमेरिका के किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में जैव विविधता अधिक है।



जिन जंगलों में ये टारेंटुला रहते हैं उन्हें कई कई प्रकार के खतरे हैं :-

- 1. सबसे बड़ा कारण जलवायु में बदलाव ।
- 2. दूसरा जंगली आग
- 3. मानवीय गतिविधियों के कारण
  
- मकड़ी के अध्ययन को अराक्नोलॉजी (Arachnology) कहते हैं



भारत तथा विश्व में पाई जाने वाली कुछ प्रमुख मकड़िया :-

सियामरिपनॉप्स गारोएन्सिस (Siamspinops garoensis)

- ❑ कहां पाई जाती है :- मेघालय की गारो पहाड़ियों में ।
- ❑ परिवार :- पलैट स्पाइडर परिवार सेलेनोपिडे (Selenopidae) से संबंधित

विशेषता :-

- ❑ 1. यह पहाड़ियों पर चट्टानों की दरारों में पाई जाती है



- ❑ 2. इसका सपाट शरीर निवास स्थानों के लिए अनुकूल होता है
- ❑ 3. यह मकड़ी पीले-भूरे रंग की होती है
- ❑ 4. लंबाई लगभग 10 मिमी. है
- ❑ 5. आँखों के चारों ओर एक काला घेरा और पेट पर काले धब्बे होते हैं





## अफ्रापलैसिला मियाजलारेन्सिस (Afra Flacilla miajlarensis)

- ❑ कहां पाई जाती है:- राजस्थान के थार मरुस्थल से
- ❑ निवास स्थान :- सूखी पत्तियों की फलकों के बीच रहती है
- ❑ परिवार :- जंपिंग स्पाइडर साल्टीसिडे (Salticidae) परिवार।
- ❑ विशेषता :- 1. काले सिर पर सफेद महीन बाल
- ❑ 2. पेट पर काली क्षैतिज रेखाएँ होती हैं



## अफ़्रापलैसिला कुरीचियाडेन्सिस (Afraflacilla kurichi adensis)

- ❑ कहां पाई जाती है:- वायनाड वन्यजीव अभ्यारण्य के कुरीचियाड वन रेंज में ।
- ❑ निवास :- कुरिचियाड के नम पर्णपाती वन में ।
- ❑ परिवार :- जंपिंग स्पाइडर साल्टीसिडे परिवार
- ❑ विशेषता :- 1. आँखों के चारों ओर लाल धब्बे
- ❑ 2. पेट पर सफ़ेद बाल
- ❑ 3. उभरी हुई पैरों की पहली जोड़ी



## फिलोपोनेला रोस्ट्रालिस (Philoponella rostralis)

- ❑ परिवार :- पंखयुक्त पैरों वाली उलोबोरिडे (Uloboridae) परिवार
- ❑ विशेषता :-
  - ❑ 1.इनमें विष ग्रंथि का अभाव
  - ❑ 2.नर प्रजनन अंग पर चोंच जैसी संरचना ।
  - ❑ 3. पत्तियों के नीचे एक विशेष प्रकार का जाल बनाती हैं
  - ❑ 4. अपने क्लिबेलम (मकड़ी का एक रेशम उत्पादक अंग) से उत्पन्न ऊनी रेशम की मदद से शिकार करती हैं।



## ऑक्सीओप्स पीठम (Oxyopes peetham) :

- ❑ कहां पाई जाती है:- कालीकट क्षेत्र ।
- ❑ परिवार :- ऑक्स्योपिडे (Oxyopidae) परिवार की मकड़ी से संबंधित है
- ❑ विशेषता :- 1. शरीर पीले रंग का होता है।
- ❑ 2. काँटेदार पैरों वाली।

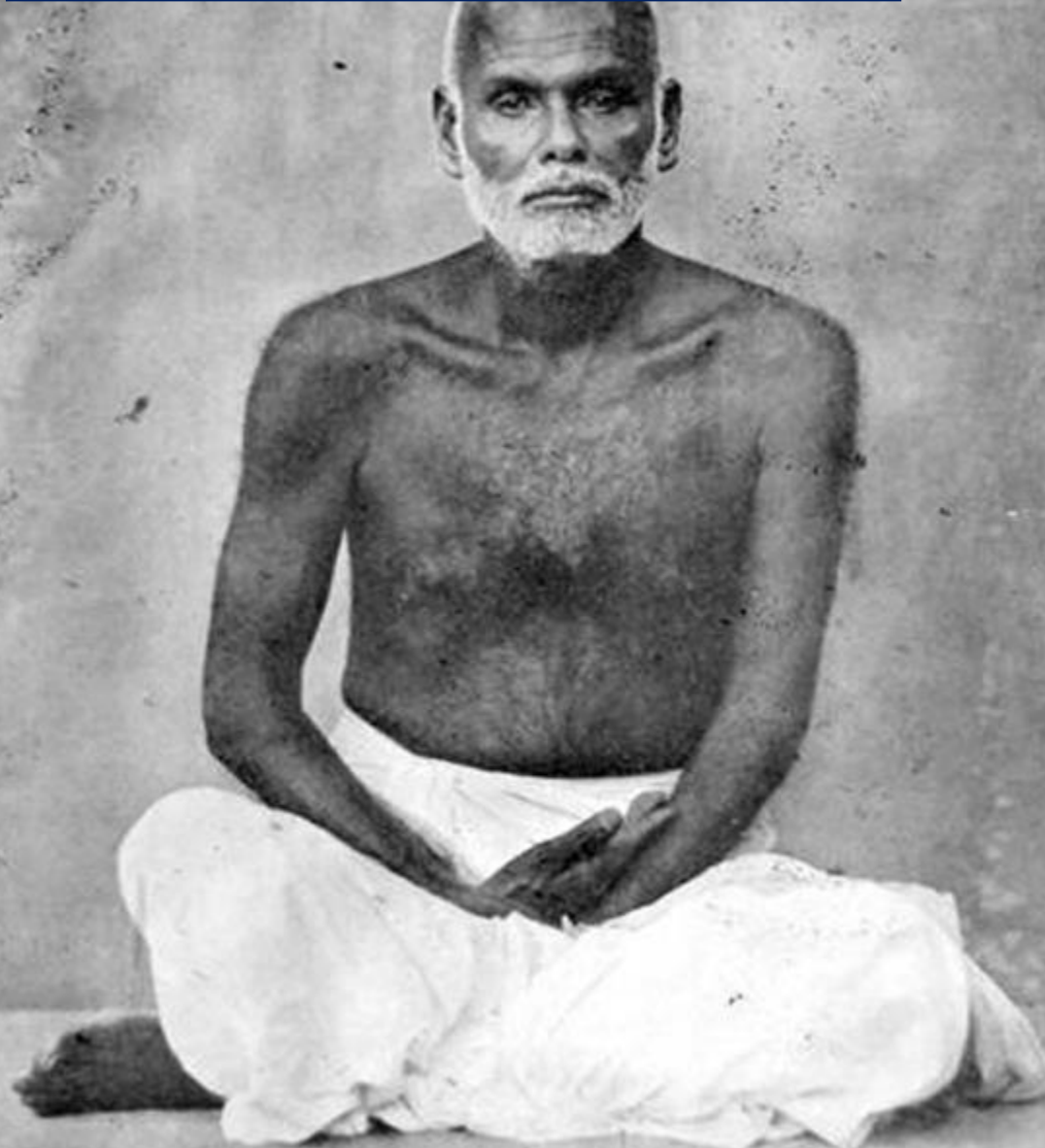


## ऑक्सीओप्स थंबूरमुडीएन्सिस (Oxyopes thumboormuzhiensis) :

- ❑ इस मकड़ी को थंबूरमुडी तितली उद्यान में खोजा गया
- ❑ जिस कारण किसका नाम ऑक्सीओप्स थंबूरमुडीएन्सिस पड़ा ।
- ❑ परिवार :: काँटेदार पैरों वाली ऑक्स्योपिडे परिवार



# श्री नारायण गुरु



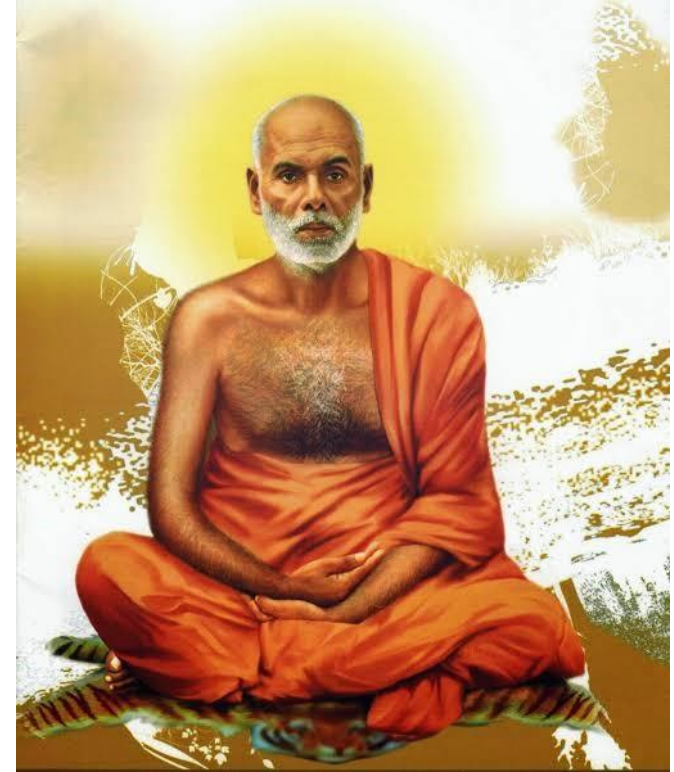
❑ **चर्चा में क्यों :-** श्री नारायण गुरु जयंती का आयोजन 22 अगस्त।

❑ **कौन थे :-** बहुआयामी प्रतिभा के धनी , महान महर्षि, अद्वैत दर्शन के प्रबल प्रस्तावक, कवि और एक महान आध्यात्मिक व्यक्ति ।

❑ **जन्म :-** 22 अगस्त, 1856 ( कहीं कहीं 20 अगस्त )

❑ **जन्म स्थान :-** केरल के तिरुवनंतपुरम के पास एक गाँव चैमपज़न्थी (Chempazhanthy) में

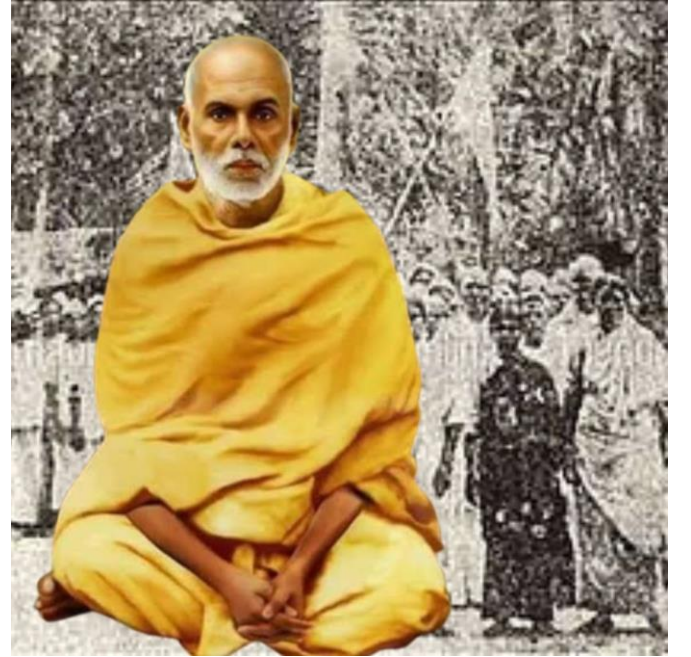
❑ **माता - पिता :-** मदन असन और कुट्टियम्मा (Kuttiyamma) ।



□ परिवार का संबंध :- एझावा (Ezhava) जाति से

### प्रारंभिक जीवन

- 1. आरंभ से ही एकांत पसंद ।
- 2. हमेशा गहन चिंतन में लिप्त ।
- 3. स्थानीय मंदिरों में पूजा करने के लिये उत्पुख
- 4. भजनों तथा भक्ति गीतों की रचना में रुचि ।





- ❑ 5.वेद, उपनिषद, साहित्य, हठ योग और अन्य दर्शनों का ज्ञान ।
- ❑ 6.तप की ओर आकर्षण के चलते संन्यासी और आठ वर्षों तक जंगल में रहे ।

### कार्य :-

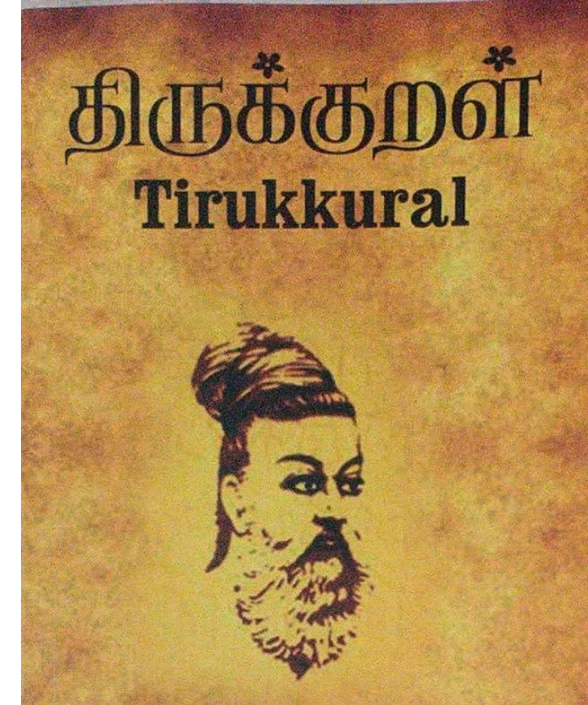
- ❑ प्रसिद्ध नारा :- ओरु जति, ओरु माथम, ओरु दैवम, मानुष्यानु ।
- ❑ 1888 में अरुविप्पुरम नामक स्थान पर भगवान शिव का मंदिर बनाया।
- ❑ 1923 में अलवे अद्वैत आश्रम (Alwaye Advaita Ashram) में एक सर्व-क्षेत्र सम्मेलन का आयोजन



- इस आयोजन को भारत में अपने प्रकार का पहला कार्यक्रम माना जाता है।
- कार्यक्रम का उद्देश्य :- एझावा समुदाय में होने वाले धार्मिक रूपांतरणों को रोकना।

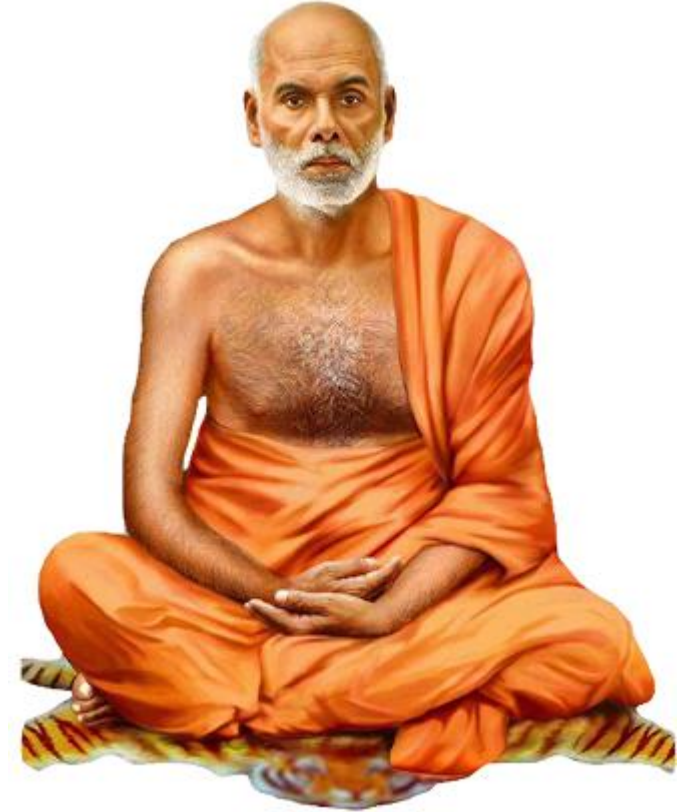
### साहित्यिक रचनाएँ:

- थिरुकुरल, अद्वैत दीपिका, असरमा, थेवरप्पाथिंकंगल आदि।



## राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान:

- ❑ 1. मंदिर प्रवेश आंदोलन में सबसे अग्रणी
- ❑ 2. अछूतों के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ ।
- ❑ 3. वयकोम सत्याग्रह (त्रावणकोर) को तीव्र किया ।
- ❑ मृत्यु: 20 सितंबर, 1928 को समाधि ली ।



# THANK YOU



@resultmitra / 8650457000



@resultmitra



@resultmitra



+ SUBSCRIBE



PDF